# ग्रामीण लोहरदगा

झारखण्ड सरकार

वर्ष – 1
अंक – 9

http:\\www.rural.nic.in, http:\\lohardaga.nic.in एवं http:\\www.jharkhandonline.gov.in पर भी उपलब्ध

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, लोहरदगा द्वारा प्रकाशित मासिक समाचार पत्र

सितम्बर 2006


## अपनी बात

शिक्षा मानव जीवन का सबसे आवश्यक संस्कार, सामाजिक परिवर्तन का आधार और आर्थिक उन्नति का एक सशक्त साधन है। जीवन को सुसंस्कारित एवं विवेकशील बनाने के लिये शिक्षा का बड़ा महत्व है। साक्षरता का भी उद्देश्य निरक्षरों को सुसंस्कृत नागरिक बनाकर उन्हें सामाजिक और आर्थिक शोषण से मुक्त करना है। साक्षरता सामाजिक क्रांति का सूत्रपात है। स्वावलंबन का मार्ग है। जनजागरण तथा बौद्धिक क्रांति का आधार है। राष्ट्रीय एकता और विकास का तत्व है। सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वासों को दूर करने का साधन है। जीवन मूल्यों का विकास एवं लिंग भेद की भावना को दूर करने में सहायक है । हर साक्षर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह निरक्षर स्त्री पुरूषों को साक्षर करे।

लोहरदगा जिले में साक्षरता अभियान जिला साक्षरता समिति 'नवा बिहान' के द्वारा चलाया जा रहा है। 'नवा बिहान' के साक्षरता कर्मियों के साथ–साथ जिले के सरकारी अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। साक्षरता का यह अभियान अपने लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। जिले में सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के बाद उत्तर साक्षरता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। इन दोनों कार्यक्रमों में 15 से 35 आयु वर्ग के निरक्षरों को साक्षर बनाने की दिशा में काम किये गये जिसमें अच्छी सफलता भी हासिल हुई। साक्षरता अभियान में वर्त्तमान समय में छुटे हुए निरक्षरों की पहचान कर उन्हें अवशिष्ट निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम के तहत साक्षर किया जा रहा है। जिले में ऐसे लोगों की संख्या 42,236 है। वर्त्तमान समय में अवशिष्ट निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण एवं केन्द्र संचालन का कार्य जारी है। जिले में साक्षरता समिति द्वारा कुल 151 पुस्तकालयों की भी स्थापना की गयी है। इन पुस्तकालयों को ग्राम सूचना केन्द्र के रूप में जिला प्रशासन द्वारा विकसित किया जा रहा है। साक्षरता अभियान के तहत उत्तर साक्षरता कार्यक्रम में लगभग 600 नवसाक्षरों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया है। साक्षरता अभियान के बाद जिले में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इसका परिणाम विद्यालयों में नामांकन के प्रतिशत में वृद्धि के रूप में दिखाई दे रहा है। जिले में साक्षरता कार्यक्रम ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साक्षरता के कारण महिलाओं में सांगठनिक क्षमता का विकास हुआ है। महिलाएँ एकजुट हुई हैं । अपने अधिकारों को समझने लगी हैं। स्वयं सहायता समूहों के घटक के रूप में उनकी गतिशीलता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और आज विकास योजनाओं को लागू करने में बढ़–चढ़ कर योगदान कर रही हैं। साक्षरता के विकास ने महिलाओं में स्वावलंबन एवं ग्राम विकास की भावना को प्रबल किया है।

**अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर विशेष**

वर्त्तमान समय में जिले का प्रत्येक परिवार जिले में चलाये जा रहे साक्षरता अभियान से परिचित है। साक्षरता अभियान के कारण आई जागृति के कारण समाज में पढ़ने–पढ़ाने का एक माहौल तैयार हुआ है। लोहरदगा जिला में साक्षरता के उल्लेखनीय कार्य के लिए साक्षरता समिति को राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है। साक्षरता अभियान को इस जिले में एक जन अभियान का रूप दिया गया है जिसमें समाज के हर वर्ग के लोगों का सहयोग प्राप्त हुआ है। साक्षरता कर्मियों के रूप में जिले के 12000 लोग इस अभियान को अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। एक प्रयोग के तौर पर 'नवा बिहान' जिला साक्षरता समिति द्वारा लोहरदगा उपकारा में भी साक्षरता कार्यक्रम चलाया गया और आज लोहरदगा उपकारा एक पूर्ण साक्षर उपकारा बन गया है। उपकारा में सभी बंदियों को नियमित रूप से जेल के अन्दर पढ़ाने की व्यवस्था की गयी है। उपकारा में एक पुस्तकालय की भी स्थापना साक्षरता समिति ने की है।

निरक्षरता का कलंक मिटने से ही जिले की चहुंमुखी प्रगति संभव है। हर शिक्षित व्यक्ति का यह राष्ट्रीय कर्त्तव्य है कि साक्षरता अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। इस राष्ट्रीय कार्य में जिले के प्रत्येक व्यक्ति को हाथ बटाने की जरूरत है।

**आराधना पटनायक**
उपायुक्त,लोहरदगा

## अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन

अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 08.09.2006 को लोहरदगा जिले में साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन किया गया । जिला नियंत्रण कक्ष परिसर में आयोजित समारोह का उद्घाटन जिले की उपायुक्त श्रीमती आराधना पटनायक ने किया। जिले के सुदूर ग्रामों से आये साक्षरताकर्मियों के साथ–साथ आम जनता को सम्बोधित करते हुये उपायुक्त ने कहा कि ग्राम विकास के लिए ग्रामीणों को स्वार्थ को त्याग कर आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि जिले का हर व्यक्ति को आदर्श व्यक्ति और हर गाँव को आदर्श गाँव बनना होगा तभी लोहरदगा जिले को देश के मानचित्र पर आदर्श जिले के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। उपायुक्त ने इस अवसर पर साक्षरता कर्मियों को बधाई देते हुये कहा कि कर्मियों के मेहनत और लगन के कारण लोहरदगा जिला सम्पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के संदेश को ग्रामीण जनमानस तक पहुँचाने में साक्षरताकर्मियों के निःस्वार्थ योगदान की उन्होने सराहना की और कहा कि ऐसा उदाहरण मिलना मुश्किल है। 'नवा बिहान' जिला साक्षरता समिति द्वारा चलाये जा रहे ग्रामीण पुस्तकालय के परिचालन पर उपायुक्त ने संतोष व्यक्त करते हुअे कहा कि ये पुस्तकालय जिले में विकास केन्द्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। उन्होने कहा कि अब भी जिले में 42 हजार निरक्षर हैं। इन निरक्षरों को अवशिष्ट निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम के तहत साक्षर बनाया जा रहा है। जिला साक्षरता समिति 'नवा बिहान' के सचिव श्री गोपीकृष्ण कुवंर ने साक्षरता अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जिले में साक्षरता अभियान अब जन अभियान का रूप धारण कर चुका है। लोग अपने अधिकार के प्रति सजग हुए हैं और नारी सशक्तिकरण को बल मिला है।

अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उत्कृष्ट योगदान करने वाले साक्षरताकर्मियों को उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त के द्वारा पुरस्कृत किया गया। भण्डरा प्रखण्ड के जमगाई की पुस्तकालय संचालक, अनिता लकड़ा, सोरंदा की गोंदा देवी, सेन्हा कोराम्बे के योगेन्द्र उराँव, सिठियों की मरियम टोप्पो, किस्को अरेया टंगराटोली के जीवन लकडा, तिसिया हुटाप दुरहुल के सुषमा कुमारी, लोहरदगा जुरिया के अंजु कुजूर, कुडू प्रखण्ड के जयप्रकाश साहू, चिरी के सुबोध महतो के साथ बेदाल की रजनी किण्डो, झालजमीरा की सरस्वती उराँव, मेरले के सुरूज उराँव को सम्मानित किया गया।

## जिला साक्षरता समिति की बैठक में शेष निरक्षरों को साक्षर करने का निर्णय

जिला साक्षरता समिति 'नवा बिहान' की कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 21.09.2006 को समाहरणालय सम्मेलन कक्ष में उपायुक्त श्रीमती आराधना पटनायक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री ब्रज किशोर मुण्डा, डॉ० गणेश प्रसाद, राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के श्री जावेद अनवर, हिण्डाल्को के श्री राजेश डुगडुंग आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में 'नवा बिहान' जिला साक्षरता समिति के जिला सचिव श्री गोपीकृष्ण कुंवर ने अवशिष्ट निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम की अद्यतन प्रगति की जानकारी दी। अवशिष्ट निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त के द्वारा निर्धारित स्थानों पर शीघ्र साक्षरता केन्द्र खोलने तथा छुटे हुए निरक्षरों को इन केन्द्रों तक लाकर साक्षर बनाने में निष्ठा और लगन से कार्य करने का निर्देश दिया गया। उन्होने केन्द्रों के कार्यों के सतत अनुश्रवण पर जोर दिया। बैठक में पुस्तकालयों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। इसे और समृद्ध एवं जनोपयोगी बनाने के साथ–साथ सूचना केन्द्र के रूप में विकसित करने के उपायों पर भी विचार किया गया।

## राष्ट्रीय सम विकास योजना के अन्तर्गत डेयरी व्यवसाय को सुदृढ़ करने का निर्णय

राष्ट्रीय सम विकास योजना के अन्तर्गत डेयरी व्यवसाय के सुदृढ़ीकरण के उपायों पर विचार विमर्श हेतु 01.09.2006 को जिले की उपायुक्त श्रीमती आराधना पटनायक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, परियोजना पदाधिकारी, मेसो क्षेत्र, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, प्रदान संस्था के प्रतिनिधि श्री विश्वास, श्री समीर भट्टाचार्य आदि उपस्थित हुऐ। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित को–ऑपरेटिव सोसायटी के दूध उत्पादक सदस्यों को बताया कि दूध के क्रय मूल्य में शीघ्र ही बढ़ोतरी की जा रही है। बैठक में राशि भुगतान की प्रक्रिया को और सरल करने के संबंध में भी विचार–विमर्श किया गया। भविष्य में को–ऑपरेटिव स्वतंत्र रूप से सदस्यों के द्वारा संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया। इसमें प्रदान संस्था की भूमिका मात्र सलाहकार की होगी। उपायुक्त के द्वारा प्रदान संस्था को निदेश दिया गया कि वह को–ऑपरेटिव की बैठक कर तमाम सदस्यों और लाभुकों को विस्तृत जानकारी दें तथा प्रत्येक माह नियमित रूप से बैठक आयोजित करें ताकि डेयरी व्यवसाय को और उन्नत करने के उपायों को कार्यान्वित किया जा सके।

## विकास कार्यो की मासिक समीक्षात्मक बैठक में श्रमिकों का खाता खोलने का निर्देश

सितम्बर माह में विकास कार्यों की मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त श्रीमती आराधना पटनायक की अध्यक्षता में 02.09.06 को किया गया। इसमें 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत सूत्रों की विभागवार समीक्षा के साथ–साथ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, हरियाली, सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के अवशेष कार्यों, काम के बदले अनाज योजना का राष्ट्रीय कार्यक्रम, इंदिरा आवास नवनिर्माण, अपग्रेडेशन, सांसद और विधायक निधि, जिला योजना, राष्ट्रीय सम विकास योजना, बी.पी.एल. सूची का अतिंमीकरण, इन्दिरा आवास प्रतीक्षा सूची आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, निदेशक, लेखा, अपर समाहर्त्ता, परियोजना पदाधिकारी, मेसो क्षेत्र, अनुमडंल पदाधिकारी के अलावे जिले के तमाम विभागों के तकनीकी और गैर तकनीकी अधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी उपस्थित हुऐ। उपायुक्त ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के प्रावधानों की विस्तृत व्याख्या करते हुऐ प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को योजना को बेहतर ढंग से लागू करने का निदेश दिया । उन्होने कहा कि निबंधित सभी श्रमिकों का बचत खाता बैंक या डाकघर में खोलना सुनिश्चित किया जाय। उन्होने श्रमिकों का जनश्री बीमा करवाने, फोटोग्राफी कर जॉब कार्ड में चिपकाने, योजना के अन्तर्गत एम0आई0एस0 साफ़्टवेयर में ऑकड़ों की प्रविष्टि सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया गया। उपायुक्त द्वारा बतलाया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत अक्टुबर माह के तीसरे सप्ताह से नवम्बर माह के दूसरे सप्ताह तक गारंटी योजना के अन्तर्गत अभिलेखों की जाँच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन प्रत्येक पंचायत मुख्यालय में कराया जाएगा जिसमें उपायुक्त सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थिति रहेंगे । समीक्षात्मक बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, वन प्रमंडल पदाधिकारी, निदेशक, लेखा, परियोजना पदाधिकारी, मेसो क्षेत्र, उप समाहर्त्ता, भूमि सुधार, कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमडंल एवं जिला अभियंता, जिला परिषद, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता उपस्थित हुये ।

## राष्ट्रीय सम विकास योजना की कोर कमिटी की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय सम विकास योजना के अन्तर्गत जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक उप विकास आयुक्त श्री ब्रज किशोर मुण्डा की अध्यक्षता में विकास भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में 2004 से 2007 तक स्वीकृत योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गयी। लिफ्ट सिंचाई की 94 योजनाओं में 80 पूर्ण प्रतिवेदित किया गया । श्री मुण्डा ने आरएसवीवाई की सभी योजनाओं को मार्च 2007 तक हर हाल में समाप्त करने का निदेश उपस्थित पदाधिकारियों को दिया। चालू सत्र के लिए 100 लिफ्ट सिंचाई योजनाओं को लेने के लक्ष्य के विरूद्ध एजेंसियों द्वारा दिये गये प्रस्ताव पर विचार किया गया। जिला अभियन्ता द्वारा निर्माणाधीन कुडू, किस्को और भण्डरा स्वास्थ्य केन्द्र में औपरेशन थियेटर का काम अगले माह तक पूर्ण कर लिये जाने का आश्वासन दिया गया। योजना के अन्तर्गत जमगाई में तसर उत्पादन के लिए 38 लोगों को प्रशिक्षण दिये जाने के बाद उनके खेतों में अर्जुन के पौधे लगाये जा रहें है। बाँस और जुट क्राफ्ट के लिए चार सौ लोगों को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। 11 सितम्बर से सभी प्रखण्डों में छोटानागपुर क्राफ्ट डेवलपमेन्ट सोसायटी के द्वारा लाभुकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। बकरी पालन के लिए 118 लाभुकों को अगले सप्ताह से प्रशिक्षण दिया जाएगा। दो सौ लाभुकों को मत्स्य पालन का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित लोगों को मछली जीरा उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में श्री श्रवण साय, निदेशक, लेखा, नाबार्ड के डी०डी०एम० श्री रानाजी मेहता, एल०डी०एम० श्री संदीप कुमार चौधरी , सिविल सर्जन, कार्यपालक अभियन्ता, जिला अभियन्ता, जिला उद्यान पदाधिकारी, तथा स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## विश्व पर्यटन दिवस पर जिले के तीन पर्यटन स्थलों के विकास का कार्य प्रारंभ

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितम्बर को जिला प्रशासन के द्वारा जिले के तीन पर्यटन स्थलों में विवाह मंडप सह भवन बनाने की योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। इसमें भण्डरा के अखिलेश्वर धाम, सेन्हा के कोराम्बे मंदिर परिसर और चितरी डांडू मेला स्थल पर मंडप सह भवन निर्माण कराया जाएगा। उपायुक्त आराधना पटनायक ने पर्यटन दिवस के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिले के दर्शनीय स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु जिला प्रशासन कटिबद्ध है। पर्यटन विकास की इन योजनाओं में प्रत्येक में दस लाख रू0 खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। पर्यटन स्थलों तक आवागमन सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने बड़े पैमाने पर पहुंच पथ की योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

## समाहरणालय में प्रेस सम्मेलन का आयोजन

जिला प्रशासन लोहरदगा के द्वारा 09 सितम्बर 2006 को मासिक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन समाहरणालय सम्मेलन कक्ष में किया गया। उपायुक्त श्रीमती आराधना पटनायक ने जिले की योजनाओं, कार्यों, उपलब्धियों और विकास की नयी संभावनाओं की जानकारी उपस्थित प्रेस प्रतिनिधियों को दी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत वृक्षारोपण, जल संग्रहण एवं संवर्द्धन के कार्यो, राष्ट्रीय सम विकास योजना के अन्तर्गत इको टूरिज्म का विकास , खेलकूद, राष्ट्रीय बालिका प्रारंभिक शिक्षा योजना आदि की प्रमुखता से चर्चा की गई। प्रेस सम्मेलन में जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के कार्यान्वयन की दिशा में जिला प्रशासन के प्रयासों की जानकारी देते हुए उपायुक्त द्वारा बताया गया कि लोहरदगा जिले में 17 अगस्त से 31 अगस्त 06 तक एन0आर0ई0जी0एस0 पखवाड़ा मनाया गया जिसमें ग्राम स्तर पर जिला एवं प्रखण्ड की सम्मिलित टीम ने ग्राम सभा का आयोजन कर योजना का प्रचार प्रसार किया। पखवाड़े के दौरान निबंधित श्रमिकों को बैंक/डाकघर में बचत खाता खोला गया तथा इसके फायदों के संबंध में बताया गया। उपायुक्त ने जानकारी दी कि अब तक कुल 56059 परिवार निबंधित किये गये हैं जिनमें 55475 को जॉब कार्ड निर्गत किया जा चुका है। इस योजना के अन्तर्गत जिले के आदिम जनजाति

गावों में नाशपाती, आम, मौसंबी, जेट्रोफा आदि लगाये जाने के बारे में भी उपायुक्त ने जानकारी दी। राष्ट्रीय सम विकास योजना के अन्तर्गत 200 अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों को मत्स्य पालन हेतु बीज देने की जानकारी दी गई। इको टुरिज्म के अन्तर्गत जिले के अखिलेश्वर धाम, चितरी मेला स्थल, बगडू और नंदनी जलाशय को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना से अवगत कराया गया। उपायुक्त ने जानकारी दी कि जिला नियंत्रण कक्ष परिसर में अवस्थित हुडको भवन को ट्राईबल आर्ट म्युजियम के रूप में विकसित करने, चितरी और बक्शीडीपा जंगल को हिरण पार्क बनाने, स्टेडियम के जीर्णोद्धार करने तथा नगर परिषद के कार्यो के बेहतर संचालन के लिये कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उपायुक्त के अलावे जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारियों द्वारा भी प्रेस प्रतिनिधियों को अपने अपने विभागों की उपलब्धियों की जानकारी दी गई।

## महिला एवं बाल व्यापार रोकने हेतु कार्यशाला का आयोजन

समाहरणालय परिसर में अवस्थित प्रशिक्षण सह उत्पादन केन्द्र में स्वयं सेवी संस्था सहिया के सौजन्य से 09.09.2006 को महिला और बाल व्यापार पर रोकथाम के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अपर समाहर्त्ता श्री आश्रित बाखला ने इस कार्यशाला का उदघाटन किया । इस अवसर पर अपर समाहर्त्ता ने कहा कि महिला और बाल व्यापार समाज पर कलंक है । इसे मिटाने के लिये जिला प्रशासन प्रयत्नशील है किन्तु इस प्रयास को जनसमर्थन की नितांत आवश्यकता है। उन्होने इस कार्य में स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण

बताया। कार्यशाला को परियोजना पदाधिकारी, मेसो क्षेत्र, लोहरदगा, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी एवं स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि ने भी सम्बोधित किया।

## सफलता की कहानी–4

### लोहरदगा के 'दरी' 'कालीन' उद्योग को पुनर्जीवन मिला

वर्ष 1977 में मैट्रिक की परीक्षा पास करने के बाद रोजगार की तलाश में लोहरदगा के कुछ युवक बनारस चले गये। वहाँ एक कालीन उत्पादन उद्योग में इन युवकों को 120 रू0 प्रतिमाह के वेतन पर काम मिल गया। इन युवकों ने जिले के किस्को प्रखण्ड के नारी नवाडीह गाँव के रूस्तम रौशन की अगुवाई में 1980–81 में अपने गाँव लौटकर इस कार्य को जिले में आरंभ करने की ठानी किन्तु अर्थाभाव एवं वांछित सुविधाओं के अभाव में दरी कालीन बनाने का कार्य रूस्तम के घर में लघु रूप में 1990 तक चलता रहा। उत्पादों की किस्म में सुधार के लिये रूस्तम को और अधिक प्रशिक्षण की जरूरत थी। जल्द ही रूस्तम को प्रशिक्षण प्राप्त करने का मौका मिला और वह 1991 में भदोही में अपने रिश्तेदारों के पास रहकर 6 माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया । इस बार उसे कंपनी से दरी कालीन बनाने का आर्डर मिला। रूस्तम अपने बुलंद हौसलों के साथ घर लौटा और कम्पनी के आर्डर पर दरी कालीन का उत्पादन करने लगा। धीरे–धीरे काम बढ़ने के कारण उसे परिवार के बाहर भी लोगों की जरूरत होने लगी। गॉव के 40 से 50 लोगों को उसने काम का प्रशिक्षण दिया। धीरे–धीरे काफी संख्या में लोग इससे जुड़ते गये। कुछ लोगों ने काम का प्रशिक्षण पाकर रोजगार हेतु भदोही चले गये। 1986 में तत्कालीन उपायुक्त एस0 जलजा के द्वारा किस्को धुर्वा मोड में दरी कालीन उत्पादन हेतु एक शेड का निर्माण कराया गया। 1992 ई में तत्कालीन उपायुक्त श्री जे0 बी0 तुबिद की पहल पर बुनकरों की एक समिति बनाई गई और 1992 में "दरी कालीन औद्योगिक सहयोग समिति लि0, नारी नवाडीह का रजिस्ट्रेशन किया गया। तब से समिति के द्वारा बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु भदोही के कम्पनियों से कच्चा माल लाया जाता और दरी कालीन बनाकर भदोही पहुँचाया जाता। इसी बीच कुछ लोगों ने बड़े पैमाने पर कार्य को करने के लिये पूँजी की व्यवस्था हेतु बैंको से ऋण लिया और अपने स्तर से बुनकरों को ऋण देकर काम कराना चाहा। यह व्यवस्था कारगर नहीं हुई और धीरे–धीरे बुनकरों को इस व्यवसाय में घाटा होता गया। वर्ष 1992 से 2002 तक किसी तरह उत्पादन होता रहा और अंत में काम पूर्णतः बंद हो गया। बुनकरों के सामने रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई ।

दरी कालीन उत्पादन कार्य को पुनर्जीवन देने के लिये रूस्तम व्यक्तिगत तौर पर कोशिश जारी रखा। उसने वर्त्तमान उपायुक्त श्रीमती आराधना पटनायक के समक्ष योजना को पुनर्जीवित करने का अनुरोध किया । रूस्तम की लगन एवं बुनकरों की आशा वास्तविकता में उस समय बदली जब श्रीमती पटनायक ने दरी कालीन उद्योग को पुनर्जीवित करने की संभावनाओं को तलाशा। उपायुक्त ने बुनकरों के हुनर को बचाये रखने और उन्हे आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दरी कालीन औद्योगिक सहयोग समिति लिमिटेड, नारी नवाडीह द्वारा तैयार किये गये परियोजना प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। राष्ट्रीय सम विकास योजना के अन्तर्गत दिनांक 30.05.2006 को सम्पन्न कोर कमिटी की बैठक में योजना की स्वीकृति प्रदान की गई।

दरी कालीन उत्पादन परियोजना की कुल लागत 10,83,000/– रू0 है जिसमें राष्ट्रीय सम विकास योजना निधि से 9,84,400/– रू0 का उपबंध किया गया है तथा शेष 98,600/– रू0 समिति का अंशदान निर्धारित किया गया है। योजना के कार्यान्वयन एवं देखरेख की जिम्मेवारी महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, लोहरदगा एवं सहायक निबंधक, सहयोग समितियॉ को संयुक्त रूप से सौंपी गई है।

परियोजना के अन्तर्गत दरी कालीन उत्पादन का उद्घाटन उपायुक्त द्वारा 22.09.2006 को किया गया। इसके साथ ही लोहरदगा जिलें में दरी कालीन का उत्पादन बड़े पैमाने पर आरंभ हो गया है। समिति के सचिव रूस्तम के अनुसार आगामी नवम्बर माह में दिल्ली एवं रॉची लगाये जाने वाले मेले में उत्कृष्ट कोटि के कालीनों को विक्रय के लिये भेजा जाएगा तथा अगले वर्ष से इसका विपणण अन्य राज्यों में भी किया जाएगा।

बॉक्साईट नगरी के रूप में ख्यात लोहरदगा जिला आने वाले दिनों में कालीन उत्पादक के रूप में यदि प्रसिद्धि पा जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

## जिले के सभी ऑंगनबाड़ी कलस्टरों में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का शुभारंभ दिनांक 01 सितम्बर 2006 को लोहरदगा जिले के सभी ऑंगनबाड़ी कलस्टर केन्द्रों में किया गया। सदर

प्रखण्ड लोहरदगा के चौदह कलस्टरों के अधीनस्थ 66 ऑंगनबाडी केन्द्रों की सेविका, सहायिका एवं ए0एन0एम0 ने संयुक्त रूप से गर्भवर्ती एवं धात्री माताओं और किशोरियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया। सभी स्थानों पर पोषाहार प्रदर्शनी लगाकर उपस्थित लोगों को भोजन के पोषक तत्वों एवं उनके महत्व की जानकारी दी गई।

जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने जिले के सभी कलस्टरों में चलने वाले कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत प्रखण्ड एवं जिला स्तर पर विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पोषण सप्ताह का समापन समारोह समाहरणालय परिसर स्थित प्रशिक्षण सह उत्पादन केन्द्र में जिला बाल विकास परियोजना और केयर के

संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्री प्रदीप किण्डो एवं केयर के श्री मधुसूदन ने समारोह को सम्बोधित किया। श्री किण्डो ने कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनबाड़ी सेविकाओं और एएनएम की भूमिका की सराहना की। पोषण प्रदर्शनी प्रतियोगिता में किस्को प्रखण्ड को प्रथम, कुडू को द्वितीय, सेन्हा को तृतीय, भण्डरा को चतुर्थ और लोहरदगा को पंचम स्थान का पुरस्कार दिया गया।

## कैचअप राउन्ड का तृतीय चरण सम्पन्न

जिले के प्रत्येक परिवार को स्वास्थ्य सेवाएँ मुहैया कराने के उद्देश्य से कैच अप राउण्ड कार्यक्रम के तृतीय चरण में 15 सितम्बर तक गर्भवती और धात्री माताओं एवं बच्चों के लिए मुफ्त टीके और दवाईयाँ उपलब्ध करायी गयीं। जरूरतमंद व्यक्तियों को बीसीजी, डीपीटी, पोलियो, डीटी, मिजिल्स, मेबेंडाजोल, टीटी विटामिन ए, आयरन की बड़ी एवं छोटी गोली मुहैया करायी गयीं। इसके साथ–साथ टीबी की जॉच भी की गई। सिविल सर्जन ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 1 से 15 सितम्बर तक कैचअप राउंड कार्यक्रम के तृतीय चरण के तहत जिले के सभी प्रखण्डों में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को सुरक्षित मातृत्व के लिए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने हेतु मुख्यमंत्री जननी शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में भी स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के द्वारा जनता को जानकारी दी गई।

# लोहरदगा के पर्यटन स्थल-9

जिला मुख्यालय से लगभग 32 कि0मी0 की दूरी पर भंडरा प्रखण्ड में अवस्थित। नौका बिहार, पिकनिक स्पॉट एवं अप्रवासी पक्षियों की उपलब्धता के लिए प्रसिद्ध।

शिक्षा से मेरा अभिप्राय बच्चे या प्रौढ़ के शरीर, मन और आत्मा में विद्यमान सर्वोत्तम गुणों का सर्वांगीण विकास करना है।

– महात्मा गाँधी

## लोहरदगा जिले की विकास योजनाओं का सारांश

### माह – सितम्बर 2006

| क्रमांक | योजना का नाम | वित्तीय प्रतिवेदन | | | | | | | | | | भौतिक प्रतिवेदन | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1.04.06 को अवशेष राशि | 2006-07 प्राप्त आवंटन | | अन्य प्राप्त राशि/सूद | कुल उपलब्ध राशि | गत माह तक व्यय की गई राशि | वर्तमान माह में व्यय की गई राशि | कुल व्यय की गई राशि (8+9) | अवशेष राशि | प्रतिशत | 1.04.06 को लम्बित योजना की संख्या | चालू वर्ष में ली गई योजना | कुल योजना | गत माह तक पूर्ण योजना | वर्तमान माह में पूर्ण योजना | कुल पूर्ण योजना (16+17) | लम्बित योजना | प्रतिशत |
| | | | केन्द्रांश | राज्यांश | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 1 | NREGA | 1347.973 | 1864.020 | 179.700 | - | 3391.693 | 1495.955 | 50.000 | 1545.955 | 1845.738 | 45.58% | 2009 | 2943 | 4952 | 2695 | 44 | 2739 | 2213 | 82.12% |
| 2 | SGSY | 1.024 | 26.720 | 8.910 | - | 36.654 | S - 15.377<br>L - 27.183<br>T - 42.560 | S - 18.010<br>L - 29.400<br>T - 47.410 | S - 33.387<br>L - 56.583<br>T - 89.970 | 3.267 | 91.09% | - | - | | | | | | गठित एस0एच0जी0 की संख्या - 17 |
| 3 | SGRY | 81.389 | 49.336 | 33.698 | - | 164.423 | 121.445 | 12.464 | 133.909 | 30.514 | 81.44% | 831 | | 831 | 777 | 31 | 808 | 23 | 97.23% |
| 4 | NFFWP | 1267.051 | | | - | 1267.051 | 900.035 | 11.000 | 911.035 | 356.016 | 71.90% | 989 | 133 | 1122 | 890 | 18 | 908 | 214 | 80.93% |
| 5 | IAY(New) | 8.135 | 91.000 | 48.500 | - | 147.635 | 41.037 | 62.870 | 103.907 | 43.728 | 70.38% | 190 | 401 | 591 | 193 | 31 | 224 | 367 | 37.90% |
| 6 | Upgradation (IAY) | 0.636 | 22.591 | 12.159 | - | 35.386 | 10.543 | 16.224 | 26.767 | 8.619 | 75.64% | 89 | 265 | 354 | 88 | 14 | 102 | 252 | 28.81% |
| 7 | Credit-Cum-Subsidy Scheme | 17.260 | - | - | - | 17.260 | - | 2.750 | 2.750 | 14.510 | 15.93% | 61 | 22 | 83 | - | - | - | 83 | - |
| 8 | PMGY RH New | 2.226 | - | - | - | 2.226 | 0.907 | 0.063 | 0.970 | 1.256 | 43.58% | 14 | - | 14 | 10 | - | 10 | 4 | 71.43% |
| 9 | Upgrad-PMGY RH | 1.356 | - | - | - | 1.356 | 0.258 | - | 0.258 | 1.098 | 19.03% | 17 | - | 17 | 7 | - | 7 | 10 | 41.18% |
| 10 | Din Dayal Awas Yojana | 203.470 | - | 6.040 | - | 209.510 | 124.525 | 8.960 | 133.485 | 76.025 | 63.71% | 1892 | - | 1892 | 1573 | - | 1573 | 319 | 83.14% |
| 11 | Hariyali | 19.094 | - | - | - | 19.094 | 16.959 | - | 16.959 | 2.135 | 88.82% | 12 | . | 12 | - | - | - | 12 | - |
| 12 | District Plan Untied Funds Scheme | 22.464 | - | 7.000 | - | 29.464 | 12.982 | 1.121 | 14.103 | 15.361 | 47.87% | 6 | . | 6 | 3 | - | 3 | 3 | 50.00% |
| 13 | MLA Scheme | 114.995 | - | 220.000 | - | 334.995 | 45.395 | 39.767 | 85.162 | 249.833 | 25.42% | 94 | 25 | 119 | 49 | 6 | 55 | 64 | 46.22% |
| 14 | MLA (Jal Samiridhi) | 44.985 | - | 80.000 | - | 124.985 | 42.720 | 17.885 | 60.605 | 64.380 | 48.49% | 7 | 17 | 24 | - | - | - | 24 | - |
| 15 | MPLADS | 121.805 | 100.000 | - | - | 121.805 | Amount Transfer<br>Gumla Distt. - 75.00<br>Ranchi Distt. - 25.00<br>Total - 100.00<br>54.200 | 0.733 | 54.933 | 66.872 | 45.10% | 38 | 84 | 122 | 52 | 8 | 60 | 62 | 49.18% |
| 16 | Mid Day Meals | 164.563 | - | 82.949 | - | 247.512 | 134.452 | 28.600 | 163.052 | 84.460 | 65.88% | सरकारी विद्यालय - 308/ अल्प संख्यक विद्यालय - 11/ अभियान विद्यालय - 309 = कुल 628 विद्यालय | | | | | | | |
| 17 | RSVY | 575.181 | 487.500 | - | - | 1062.681 | 575.180 | 191.401 | 766.581 | 296.100 | 72.14% | 310 | 2623 | 2933 | 676 | 1 | 677 | 2256 | 23.08% |